

MEDIA BEAT

An occasional column on significant developments in the media world

By Ashok Mansukhani
Advocate Bombay High Court.

Specialist in Multi Media Law and Regulation/
Corporate Law and Regulation and Taxation.



मीडियाबीट

मीडिया की दुनिया में महत्वपूर्ण घटनाओं
पर एक सामयिक स्तंभ

लेखक: अशोक मनसुखानी

एडवोकेट बॉम्बे हाई कोर्ट

मल्टी मीडिया कानून और रेग्यूलेशन/कॉर्पोरेट कानून और रेग्यूलेशन
और टैक्सेशन के विशेषज्ञ।

ADVENT OF 5G WILL SPEED UP BROADBAND PENETRATION NATIONALLY

*A Side Effect Will Be Pressure On
Broadcast And Cable Legacy Media To
Innovate And Retain Consumer Base.*

A. TECTONIC IMPACT OF 5G ON INDIAN MEDIA

5G FORECAST FOR INDIA

A recently released report by the **Internet and Mobile Association of India-Kantar** states there are currently **692 million** active internet users in the country. Of them, **351 million** are from rural areas, and **341 million** are from urban areas.

As per **IAMAI**, India's internet users will likely reach **900 million** by **2025**. **346 million** Indians practice online transactions, including digital payments and e-commerce. India has already outnumbered the United States, where the population practising digital transactions is **331 million**.

With a total of **692 million** active Internet users in India, the proliferation of smartphones and the accessibility to the Internet, India is creating a massive demand for the entertainment industry to flourish.

Ericsson's latest mobility report forecasts a very optimistic estimate that **39 per cent** of mobile subscriptions in India will be **5G**, amounting to **500 million** subscriptions.

5जी के आने से राष्ट्रीस्तर पर ब्रॉडबैंड की पहुंच में तेजी आयेगी

*इसका अतिरिक्त प्रभाव यह होगा कि प्रसारण
और केबल लीगेसी मीडिया पर उपभोक्ता
आधार को नया करने और बनाये रखने का
दबाव होगा।*

ए. 5जी का भारतीय मीडिया पर जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा

भारत के लिए 5जी पूर्वानुमान

इंटरनेट और ब्रॉडबैंड एसोसिएशन ऑफ इंडिया कांतार द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में देश में **692 मिलियन** सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। इनमें से **351 मिलियन** ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और **341 मिलियन** शहरी क्षेत्रों से हैं।

आईएमएआई के अनुसार भारत के इंटरनेट उपयोगकर्ता के **2025** तक **900 मिलियन** तक पहुंचने की संभावना है। **346 मिलियन** भारतीय डिजिटल भुगतान और ई-कॉमर्स सहित ऑन लाइन लेनदेन का अभ्यास करते हैं। भारत पहले से ही संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल चुका है, जहां डिजिटल लेनदेन का अभ्यास

करने वाली जनसंख्या **3.31 करोड़** है।

भारत में कुल **692 मिलियन** सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं, स्मार्टफोन के प्रसार और इंटरनेट के पहुंच के साथ, भारत मनोरंजन उद्योग के फलने फूलने की जबरदस्त मांग पैदा कर रहा है।

एरिकसन की नवीनतम मोबिलिटी रिपोर्ट में बहुत ही आशावादी अनुमान लगाया गया है कि भारत के मोबाइल सब्सक्रिप्शन का **39 प्रतिशत 5 जी** होगा, जो **500 मिलियन** सब्सक्रिप्शन के बराबर होगा।



5G POTENTIAL

Intel Corporation USA released a report on the potential of 5G spectrum forecasting that:

- ◆ 5G will unlock the potential of **augmented reality (A.R.) and virtual reality (V.R.)**; A.R. will create a new way for people to connect with media and create a new channel for content creators to reach fans.
- ◆ **Gaming** will be at the forefront. **Fully interactive gaming** will technologically and economically be possible with 5G. It will usher in **mobile cloud gaming**.
- ◆ 5G will bring **new senses to media**. New sensations such as heat and pressure could be bundled in an action game, or movies could be re-released with a new sensation layer, opening a new monetisation cycle.
- ◆ **Never-imagined applications and usages** will come to life by 5G, such as in-car entertainment and 3D holographic displays. Immersive and new media will emerge.
- ◆ 5G will change and potentially merge the traditional media, entertainment, and service provider models:
- ◆ 5G will be a significant competitive asset, bringing economies of scale to network providers' T.V. offerings with a much wider footprint, competing against IPTV, Cable, and satellite.
- ◆ 5G will help operators capitalise on mobile media growth by selling 5G network capabilities to over-the-top (OTT) video service providers (media content delivered over the internet *without the involvement of an IPTV, Cable, or satellite provider*).
- ◆ 5G will supercharge the **digital advertising market**, transitioning traditional display advertising toward social and media immersive experiences.



SPECTRUM AUCTION 2022

Reliance Jio ('Jio') was a clear winner in India's recently 5G spectrum auction. As per media reports and DOT data, Jio acquired spectrum in a variety of bands, offering a cumulative bid of **Rs 88,078 crore** for **24,740 MHz** of airwaves across five bands capable of providing

5जी क्षमता

इंटेल् कॉर्पोरेशन यूएसए ने 5जी स्पेक्ट्रम पूर्वानुमान की क्षमता पर एक रिपोर्ट जारी की है:

- ◆ 5जी **संवर्धित वास्तविकता (ए.आर.) और आभासी वास्तविकता (वी.आर.)** की क्षमता को अनलॉक करेगा। ए.आर. लोगों के लिए मीडिया से जुड़ने का एक नया तरीका तैयार करेगा और सामग्री निर्माताओं के लिए प्रशंसकों तक पहुंचने के लिए एक नया चैनल बनायेगा।
- ◆ गेमिंग सबसे आगे रहेगा। **पूरी तरह से इंटरैक्टिव गेमिंग 5जी** के साथ तकनीकी और आर्थिक रूप से संभव होगा। यह **मोबाइल क्लाउड गेमिंग** की शुरुआत करेगा।
- ◆ 5जी मीडिया के लिए एक नया **एहसास** लायेगी। गर्मी और दबाव जैसी नयी संवेदनाओं को एक्शन गेम में बांधा जा सकता है, या फिल्मों को एक नयी सनसनी तरीके से फिर से रिलीज करने के साथ यह एक नया मुद्दीकरण चक्र खोल सकता है।

◆ 5जी द्वारा **कभी कल्पना नहीं की गयी एप्लिकेशन और उपयोग** जीवन में आ जायेंगे, जैसे कार में मनोरंजन और 3डी होलोग्राफिक डिस्प्ले। इमर्सिव और नयी मीडिया सामने आयेगी।

◆ 5जी **पारंपरिक मीडिया, मनोरंजन और सेवा प्रदाता मॉडल को बदलेगा और संभावित रूप से उसका विलय करेगा**

- ◆ 5जी एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी संपत्ति होगी, जो नेटवर्क प्रदाताओं की टीवी पेशकशों के पैमाने की अर्थव्यवस्था को एक व्यापक पदचिन्ह के साथ आईपीटीवी, केबल और सैटेलाइट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा में लायेगी।
- ◆ 5जी, ओवर-द-टॉप (ओटीटी) वीडियो सेवा प्रदाताओं (आईपीटीवी, केबल या सैटेलाइट प्रदाता की भागीदारी के बिना इंटरनेट पर वितरित मीडिया सामग्री) को 5जी नेटवर्क क्षमताओं को बेचकर ऑपरेटरों को मोबाइल मीडिया के विकास को भुनाने में मदद करेगा।
- ◆ 5जी **डिजिटल विज्ञापन बाजार** को सुपरचार्ज करेगा, पारंपरिक प्रदर्शन विज्ञापन को सामाजिक और मीडिया इमर्सिव अनुभवों की ओर परिवर्तित करेगा।

स्पेक्ट्रम नीलामी 2022

रिलायंस जियो (जियो) भारत की हाल ही में 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में एक स्पष्ट विजेता था। मीडिया रिपोर्ट्स और डीओटी डेटा के अनुसार **जियो** ने विभिन्न बैंडों में स्पेक्ट्रम हासिल किया, जिसमें पांच बैंडों में **24,740 मेगाहर्ट्ज** एयरवेक्स के लिए **88,078 करोड़ रुपये** की

speeds about 'ten times faster than 4G, lag-free connectivity, and can enable billions of connected devices to share data in real-time. Jio also acquired the coveted 700 MHz spectrum that can provide 6-10 km of signal range with one tower and forms a good base for offering 5G services in all 22 circles or zones in the country. The acquisition of the costly 700 MHz spectrum bought only by Jio for Rs. 39270 crores came in for speculation. However, as is well-known, Reliance never gambles but plans substantial revenue accretion from its purchases in the long run.

Airtel was more modest in its spectrum bid but acquired 19,867.8 MHz for Rs 43,084 Crore. Vodafone Idea acquired 6228.4 MHz for Rs 18,799 Crores and Adani Data: 400 MHz for Rs 212 Crore. In its press release, Airtel stated it had acquired a "19,800 MHz spectrum by securing a pan India footprint of 3.5 GHz and 26 GHz bands. This massive spectrum bank was secured for a total of Rs 43,084 cr. It has assiduously accumulated the largest pool of low and mid-band spectrum (Sub GHz/1800/2100/2300 bands), which can be used to provide the best 5G coverage while massive capacities in the 3.5 GHz and 26 GHz bands will allow Airtel to create 100 X capacities at the least cost."

JIO 5G GAMEPLAN

The Jio game plan of the 5G acquisition was unravelled in the Reliance Chairman, Mr Mukesh Ambani, speech at the 45th Annual General Body meeting on August 29, 2022.

Key highlights

- ◆ Jio will invest Rs. 2 Lakh crores to set up its 5G networks. (This is inclusive of the Rs. 88078 crores payable for spectrum)
- ◆ The deployment will start in Diwali 2022 in the four mega metros and cover every town/taluka/ tehsil by December 2023.
- ◆ As it has bought 5G Spectrum in 3500 MHz mid-band, 26 GHz millimetre wave band and 700 MHz low band spectrum, it will combine all this into a powerful data highway using the new carrier aggregation technology.
- ◆ Jio will launch a "true 5G network" in a standalone mode wherein all infrastructure, such as cell sites, will only transmit 5G signals. (Airtel has a different approach).
- ◆ The purchase of the 700 MHz will help Jio offer better speeds indoors and allow it to serve enterprises better.

संचयी बोली की पेशकश की, जो 4जी से दस गुना तेज, लैग फ्री कनेक्टिविटी प्रदान करने में सक्षम है और अरबों कनेक्टेड उपकरणों को रियल टाइम में डेटा साक्षा करने में सक्षम बना सकता है। जियो ने प्रतिष्ठित 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम का भी अधिग्रहण किया जो कि एक टावर के साथ 6-10 किलोमीटर की सिग्नल रेंज प्रदान कर सकता है और देश के सभी 22 सर्किलों या क्षेत्रों में 5जी सेवाओं की पेशकश के लिए एक अच्छा आधार बनाता है। जियो द्वारा 39270 करोड़ रुपये खरीदे गये महंगे 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम का अधिग्रहण भी अटकलों के बीच आया। हालांकि, जैसाकि सर्वविदित है, रिलायंस कभी भी जुआ नहीं खेला है, लेकिन लंबे समय में अपनी खरीद से पर्याप्त राजस्व वृद्धि की योजना बना रहा है।

एयरटेल अपनी स्पेक्ट्रम बोली में अधिक विनम्र था लेकिन उसने 43,084 करोड़ रुपये में 19,867.8 मेगाहर्ट्ज का अधिग्रहण किया। वोडोफोन आइडिया ने 18,799 करोड़ रुपये में 6228.4 मेगाहर्ट्ज और अदानी डेटा: 400 मेगाहर्ट्ज 212 करोड़ रुपये में हासिल किया। अपनी प्रेस विज्ञप्ति में एयरटेल ने कहा कि उसने 3.5 गीगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड के अखिल भारतीय फुटप्रिंट को सुरक्षित करके 19800 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम हासिल किया है। इस विशाल स्पेक्ट्रम बैंड को कुल 43,084 करोड़ रुपये में सुरक्षित किया गया था। इसने निम्न और मध्यम बैंड स्पेक्ट्रम (सब GHz/1800/2100/2300 बैंड) का सबसे बड़ा पूल जमा किया है जिसका उपयोग सर्वोत्तम 5जी सेवा प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। जबकि 3.5 गीगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में विशाल क्षमतायें एयरटेल को कम से कम लागत पर 100 एक्स क्षमतायें बनाने की अनुमति देगा।

जियो का 5जी गेमप्लान

5जी अधिग्रहण का जियो गेम प्लान 29 अगस्त 2022 को 45वीं वार्षिक जनरल बोर्ड मीटिंग में रिलायंस के अध्यक्ष श्री मुकेश अंबानी के भाषण में सामने आया।

मुख्य अंश

- ◆ जियो 5जी नेटवर्क को स्थापित करने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। (इसमें स्पेक्ट्रम के लिए देय 88078 करोड़ रुपये शामिल हैं)
- ◆ चार बड़े महानगरों में दिवाली 2022 में तैनाती शुरू होगी और दिसंबर 2023 तक हर शहर/तालुका/तहसील को कवर कर लिया जायेगा।
- ◆ चूंकि इसने 3500 मेगाहर्ट्ज मीडबैंड, 26 गीगाहर्ट्ज मिलीमीटर वेव बैंड और 700 मेगाहर्ट्ज लो बैंड स्पेक्ट्रम में 5जी स्पेक्ट्रम खरीदा है, इसलिए यह नयी कैरियर एग्जिगेशन तकनीक का उपयोग करके इन सभी को एक शक्तिशाली डेटा हाइवे में जोड़ देगा।
- ◆ जियो एक स्टैंड अलोन मोड में 'ट्रू 5जी नेटवर्क' लॉन्च करेगा जिसमें सभी इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे कि सेल साइट्स केवल 5 जी सिग्नल ट्रांसमिट करेंगे। (एयरटेल का दृष्टिकोण अलग है)।

- ◆ A deal with **Qualcomm** for building **5G** cloud solutions and cheaper chipsets to quickly reach 1000 cities was also announced.
- ◆ The Chairman announced that **Jio Fibre** is India's largest fibre-to-the-home service provider, with **7 million** subscribers achieved in two years despite the Covid lockdown.
- ◆ Jio's pan India fibre optic network is a whopping **11,00,000 km** in length (*"enough to go around the earth 27 times"*).
- ◆ The Chairman acknowledged that India has only **20 million** connections and ranks a measly **138th** in fixed broadband adoption. *"Vast majority of our homes/offices/businesses have been deprived of the power of fixed broadband and indoor Wi-Fi, depriving it of modern digital tools."* It was vowed by the Chairman that **Jio** would work to change this and bring India into the top ten very soon.
- ◆ **Reliance Jio Chairman Mr Anant Ambani** unveiled the revolutionary **Jio Air Fiber**. This is essentially a wireless plug-and-play **5G hotspot** that can be set up at home or office. It can deliver fibre-like **5G** speeds without any wires. **Jio Air Fiber** will enable cloud gaming, immersive sports viewing, and **Jio Cloud P.C.** *"With such a simple process, hundreds of millions of homes and offices can be connected to ultra-high-speed broadband. The two-way interactivity will create a highly engaging experience for the entire family, such as interactive live content, cloud gaming, immersive shopping, and much more, focusing on continuous customer experience and privacy."*
- ◆ For example, in the **2023 IPL** cricket series, multiple video streams will be enabled to show multiple camera angles live. In H.D., This will allow the viewer to dynamically choose a specific camera angle while enjoying video feed from other cameras.



IMPACT OF 5G ON RELIANCE MEDIA GROUP

- ◆ In his speech, **Mr Mukesh Ambani** made a rare reference to the **media business** of **Reliance Group**. He informed that the media business had achieved its highest growth last year. **Viacom** has made a high-

- ◆ **700 मेगाहर्ट्ज** की खरीद से **जियो** को घर के अंदर बेहतर गति प्रदान करने और उद्यमों को बेहतर सेवा देने में मदद मिलेगी।
- ◆ **1000** शहरों तक शीघ्रता से पहुंचने के लिए **5जी** क्लाउड समाधान और सस्ते चिपसेट बनाने के लिए **क्वालकॉम** के साथ एक समझौते की भी घोषणा की गयी है।
- ◆ अध्यक्ष ने घोषणा की कि **जियो फाइबर** भारत का सबसे बड़ा फाइबर-टू-द-होम सेवा प्रदाता है, जिसके **7 मिलियन** ग्राहक कोविड लॉकडाउन के बावजूद दो वर्षों में प्राप्त हुए हैं।
- ◆ जियो का अखिल भारतीय फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क **11,00,000 किमी** लंबा है (पृथ्वी का **27 बार** चक्कर लगाने के लिए पर्याप्त)।
- ◆ अध्यक्ष ने स्वीकार किया कि भारत में केवल **20 मिलियन** कनेक्शन हैं और फिक्स्ड ब्रॉडबैंड अपनाने में इसका स्थान केवल **138** वां है। *हमारे अधिकांश घरों/कार्यालय/व्यवसायों को फिक्स्ड ब्रॉडबैंड और इनडोर वाई फाई की शक्ति से वंचित कर दिया गया है, जो इसे आधुनिक डिजिटल उपकरणों से वंचित कर रहा है।* अध्यक्ष ने कसम खायी थी कि **जियो** इसे बदलने के लिए काम करेगा और बहुत जल्द भारत को टॉप **10** में लायेगा।
- ◆ **रिलायंस जियो के अध्यक्ष अनंत अंबानी** ने क्रांतिकारी **जियो एयर फाइबर** का अनावरण किया। यह अनिवार्य रूप से एक वायरलेस प्लग एंड प्ले **5जी हॉटस्पॉट** है जिसे घर या कार्यालय में स्थापित किया जा सकता है। यह बिना किसी तार के फाइबर जैसी **5जी** गति प्रदान कर सकता है। **जियो एयर फाइबर** क्लाउड गेमिंग, इमर्सिव स्पोर्ट्स व्यूइंग और **जियो क्लाउड पीसी** को सक्षम करेगा। *इस तरह की एक सरल प्रक्रिया के साथ लाखों घरों और कार्यालयों को अल्ट्रा हाई स्पीड ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा सकता है। दो तरफा इंटरकनेक्टिविटी पूरे परिवार के लिए एक अत्यधिक आकर्षक अनुभव पैदा करेगी, जैसे कि इंटरैक्टिव लाइव सामग्री, क्लाउड गेमिंग, इमर्सिव शॉपिंग और बहुत कुछ निरंतर ग्राहक अनुभव और गोपनीयता पर ध्यान केंद्रित करना।*
- ◆ उदाहरण के लिए **2023 आईपीएल** क्रिकेट श्रृंखला में, कई वीडियो स्ट्रीम को कई कैमरा कोणों से लाइव दिखाने के लिए सक्षम किया जायेगा। एचडी में यह दर्शकों को अन्य कैमरा फीड का आनंद लेते हुए गतिशील रूप से एक विशिष्ट कैमरा कोण चुनने की अनुमति देगा।

रिलायंस मीडिया समूह पर 5जी का प्रभाव

अपने भाषण में **मुकेश अंबानी** ने **रिलायंस समूह के मीडिया व्यवसाय** का दुर्लभ उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले साल मीडिया व्यवसाय ने सबसे अधिक विकास दर हासिल किया। **वायकॉम** ने

decibel entry into Sports with **IPL digital rights** and key rights in football, badminton, basketball, and tennis. He said, “*Digital is a core and fast-growing theme as we prepare to embrace the 5G revolution. Our partnership with **Bodhi Tree, James Murdoch, Uday Shanker and Paramount** will help Viacom with additional bandwidth and enable us to create a world-class media and entertainment business.*”

DISRUPTIVE POWER OF JIO AIR FIBRE

Well-known media analyst, Mr **Karan Taurani** of **Elara Capital**, feels

- ◆ With **Jio Air Fiber**, one can get a fixed broadband speed without installing fixed cables.
- ◆ *He believes this will be a big disruption for the media industry over the near to medium term.*
- ◆ He blames the low broadband penetration at **15%** due to last mile issues with MSO/LCO ecosystem. Even MSOs like Hathway and Den of Reliance group have failed to make a breakthrough primarily on revenue share concerns with **Local Cable Operators**.
- ◆ He feels that the launch of **Jio Air Fibre** will enhance internet speeds sharply with fewer logistical issues as it will be wireless and boost connectivity, especially in **tier 2** and **tier 3** smaller markets.
- ◆ He also forecasts a rapid shift from traditional T.V.s to smart T.V.s when their prices decrease and digital content consumption grows. This could overall be a **negative for the Indian T.V. industry**.
- ◆ He expects **SVOD** services to grow in big towns, but **AVOD** will be popular in smaller towns.
- ◆ He feels **OTT** will continue to threaten normal T.V. except in live sports. He feels legacy broadcasters will have to gear up. On merger, **Sony/Zee** could together command 50 to 60% ad share.
- ◆ He also feels **OTT consumption** will increase exponentially by adopting **Jio Air Fibre**.
- ◆ He does not see much impact of this innovation on the cinema industry for the present.

COMMENT

The latest TRAI report for June 2022 reveals a total of 800.94 million internet subscribers, with 772.23

आईपीएल डिजिटल अधिकारों और फुटबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल और टेनिस के प्रमुख अधिकारों के साथ खेल में एक उच्च डेसिबल प्रविष्टि की है। उन्होंने कहा ‘डिजिटल एक प्रमुख और तेजी से विकसित होने वाला विषय है क्योंकि हम **5जी** क्रांति को अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। **बोधि ट्री, जेम्स मरडोक, उदय शंकर और पैरामाउंट** के साथ हमारी साझेदारी **वायकॉम** को अतिरिक्त बैंडविड्थ के साथ मदद करेगी और हमें विश्वस्तरीय मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय बनाने में सक्षम बनायेगी।’

जियो एयर फाइबर की विघटनकारी शक्ति

जाने-माने मीडिया विश्लेषक **एलारा कैपिटल** के **श्री करण तौरानी** का मानना है कि:

- ◆ **जियो एयर फाइबर** के साथ कोई भी व्यक्ति फिक्स्ड केबल लगाये बिना एक निश्चित ब्रॉडबैंड स्पीड प्राप्त कर सकता है।
 - ◆ *उनका मानना है कि आने वाले समय में यह मीडिया उद्योग के लिए एक बड़ा व्यवधान होगा।*
 - ◆ वह एमएसओ/एलसीओ पारिस्थितिकी तंत्र के साथ अंतिम मील के मुद्दों के कारण **15%** पर कम ब्रॉडबैंड प्रवेश को दोषी मानते हैं। यहां तक कि रिलायंस समूह के हेथवे और डेन जैसे एमएसओ भी **स्थानीय केबल ऑपरेटरों** के साथ मुख्य रूप से राजस्व हिस्सेदारी की चिंताओं पर एक सफलता हासिल करने में विफल रहे हैं।
- ◆ उन्हें लगता है कि **जियो एयर फाइबर** के लॉन्च से कम लॉजिस्टिक मुद्दों के साथ इंटरनेट की गति में तेजी से वृद्धि होगी, क्योंकि यह वायरलेस होगा और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा, खासकर **टियर 2** और **टियर 3** के छोटे बाजारों में।
- ◆ उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की है कि पारंपरिक टीवी से स्मार्ट टीवी की ओर तेजी से बदलाव होगा जब उनके कीमतों में कमी आयेगी और डिजिटल सामग्री की खपत बढ़ेगी। यह कुल मिलाकर **भारतीय टीवी उद्योग के लिए नकारात्मक** हो सकता है।
- ◆ उन्हें उम्मीद है कि बड़े शहरों में **एसवीओडी** सेवाओं का विकास होगा, लेकिन **एसवीओडी** छोटे शहरों में लोकप्रिय होगा।
- ◆ उन्हें लगता है कि लाइव स्पोर्ट्स को छोड़कर **ओटीटी** सामान्य टीवी के लिए खतरा बना रहेगा। उन्हें लगता है कि पारंपरिक प्रसारकों को कमर कसनी होगी। विलय होने पर **सोनी-जी** एक साथ **50 से 60%** विज्ञापन शेयर हासिल कर सकते हैं।
- ◆ उन्हें यह भी लगता है कि **जियो एयर फाइबर** को अपनाने से **ओटीटी की खपत** तेजी से बढ़ेगी।
- ◆ फिलहाल उन्हें इस नयी तकनीकी का सिनेमा उद्योग पर अधिक प्रभाव नहीं दिखता है।

टिप्पणी

जून 2022 के लिए नवीनतम ट्राई रिपोर्ट में कुल 800.94 मिलियन इंटरनेट ग्राहकों का पता चला है, जिसमें 772.23 मिलियन



million wireless broadband and 28.71 million wired broadband subscribers. The top five service providers constituted 98.47% market share of the total broadband subscribers on June 22. These service providers were Reliance Jio Infocomm Ltd (419.17 million), Bharti Airtel (219.41 million), Vodafone Idea (122.96 million), BSNL (25.02 million) and Atria Convergence (2.11 million).

The top five Wired Broadband Service providers were Reliance Jio Infocomm Ltd (6.16 million), Bharti Airtel (4.85 million), BSNL (3.84 million), Atria Convergence Technologies (2.11 million) and Hathway Cable & Datacom (1.11 million).

This clearly shows that Indian Multi System Operators who were given primacy in the National Telecom Policy 1999 to introduce and sustain broadband services on a mass deployment basis have failed to rise to the occasion. Even Hathway, which has always led in cable broadband deployment, is stagnant and unable to grow.

India's current connected cable base is estimated at 100 million homes out of 200 million homes served by 1752 Multi System Operators and their linked Local Cable Operators.

Even though the lockdown has ended, the growth of cable subscribers is clearly stagnant and falling. Two well-known factors are the challenge of OTT now reaching out to 450 million subscribers and rising steadily. Another relatively ignored phenomenon is the growth of Free Dish of Prasar Bharati, estimated at 45 million connections, rising to 60 million by 2025.

In this scenario, the advent of 5G will rock the business models of both Broadcasters and MSOs in the medium term. Most Broadcasters have their default OTT platforms and will now invest more funds and human capital in Digital. The MSOs will now find it difficult to survive on a mere pay tv revenue share model.

Literally, every 200 million homes in India will ultimately need access to a stable broadband connection, even if it is not at ultra-high speed. As Cable already reaches out to 100 million homes and traditionally broadband ARPU is much higher than Cable, it is puzzling for this writer why the Broadband opportunity has not been grabbed by the Cable Industry.

This writer envisages Reliance Jio approaching the thousands of Local Cable Operators and Multi System Operators with their revolutionary Jio Air Fibre. Intelligent, mutually beneficial revenue share arrangements can work out to help sustain the industry, provided MSO agreements permit. Fingers crossed.

वायरलेस ब्रॉडबैंड और 28.71 मिलियन वायर्ड ब्रॉडबैंड ग्राहक हैं। शीर्ष पांच सेवा प्रदाताओं ने जून 22 को कुल ब्रॉडबैंड ग्राहकों का 98.47% बाजार हिस्सा बनाया। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड (419.17 मिलियन), भारती एयरटेल (219.41 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (122.96 मिलियन), बीएसएनएल (25.02 मिलियन) और अट्रिया कन्वर्जेंस (2.11 मिलियन) थे।

शीर्ष पांच वायर्ड ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड (6.16 मिलियन), भारती एयरटेल (4.85 मिलियन), वीएसएनएल (3.84 मिलियन), एट्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज (2.11 मिलियन) और हैथवे केबल एंड डेटाकॉम (1.11 मिलियन) थे।

यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारतीय मल्टी सिस्टम ऑपरेटर्स जिन्हें राष्ट्रीय दूरसंचार नीति 1999 में बड़े पैमाने पर ब्रॉडबैंड सेवा शुरू करने और बनाये रखने के लिए प्राथमिकता दी गयी थी, वे इस अवसर का लाभ उठाने में विफल रहे। यहां तक कि हैथवे, जिसने हमेशा केवल ब्रॉडबैंड परिनियोजन का नेतृत्व किया है, स्थिर है और बढ़ने में असमर्थ है।

भारत का वर्तमान केबल कनेक्टेड बेस 200 मिलियन घरों में से 100 मिलियन घरों में अनुमानित है, जो 1752 मल्टी सिस्टम ऑपरेटर्स और उनके साथ जुड़े स्थानीय केबल ऑपरेटर्स द्वारा सेवा प्रदान करते हैं।

भले ही लॉकडाउन समाप्त हो गया हो, लेकिन केबल ग्राहकों की वृद्धि स्पष्ट रूप से स्थिर और गिर रही है। दो प्रसिद्ध कारक हैं ओटीटी की चुनौती अब 450 मिलियन ग्राहकों तक पहुंचना और इसका लगातार बढ़ना। एक और अपेक्षाकृत अनदेखी घटना प्रसार भारती की फ्री डिश की वृद्धि है, जिसके अनुमानतः 45 मिलियन कनेक्शन हैं जो कि 2025 तक बढ़कर 60 मिलियन हो जायेगा।

इस परिदृश्य में 5 जी का आगमन मध्यम अवधि में प्रसारक और एमएसओ दोनों के बिजनेस मॉडल को हिला देगा। अधिकांश प्रसारकों के पास अपने डिफॉल्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म हैं और अब वे डिजिटल में अधिक फंड और मानव पूंजी का निवेश करेंगे। एमएसओ के लिए अब केवल पे टीवी राजस्व शेयर मॉडल पर टिके रहना मुश्किल होगा।

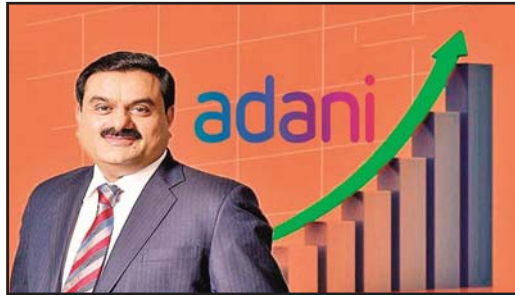
सचमुच भारत में हर 20 करोड़ घरों को अंततः एक स्थिर ब्रॉडबैंड कनेक्शन तक पहुंच की आवश्यकता होगी, भले ही वह अल्ट्रा हाई स्पीड पर न हो। चूंकि केबल पहले ही 100 मिलियन घरों तक पहुंच चुकी है और परंपरागत रूप से ब्रॉडबैंड एआरपीयू केबल की तुलना में काफी अधिक है, इसलिए इस लेखक के लिए यह उलझन की बात है कि ब्रॉडबैंड के अवसर को केबल उद्योग ने क्यों नहीं हथिया लिया।

यह लेखक रिलायंस जियो को अपने क्रांतिकारी जियो एयर फाइबर के साथ हजारों स्थानीय केबल ऑपरेटर्स और मल्टी सिस्टम ऑपरेटर्स से संपर्क करने की परिकल्पना करता है। उद्योग को बनाये रखने में मदद करने के लिए बुद्धिमान, पारस्परिक रूप से लाभप्रद राजस्व हिस्सेदारी व्यवस्था काम कर सकती है, वशर्ते कि एमएसओ समझौता अनुमति प्रदान करे। दुआ करें।

B. ADANI GROUP TAKEOVER OF NDTV WILL NOT BE SMOOTH

ADANI MOVES TO TAKEOVER NDTV TELEVISION

1. The stealthy manner in which **Adani Group** planned to take over **NDTV News Group** did come as a bolt from the blue. A series of events unfolded on **23.08.2022**.
 - ❖ **AMG Media Network Private Limited**, an **Adani** group company floated for media business acquired, acquired a 100% equity stake in **Vishvapradhan Commercial Private Limited (VCPL)** from **NextWave Televentures Private Limited** and **Eminent Networks Private Limited**, both of them being **Mahendra Nahata** - linked companies, for an enterprise value of **Rs 113.74 crores**.
 - ❖ The **Nahata Group**, in turn, had the stake in **VCPL** from a **Reliance Group Company-Shinano Retail Pvt Ltd**, associated with **Reliance Industrial Investments and Holding Limited**.
 - ❖ In a mandatory disclosure, **Adani Group** stated that “As per the terms of the warrants, upon exercise of **19,90,000** warrants, **RRPRH** (promoter of **NDTV Group**) is obligated to allot **19,90,000** equity shares of **RRPR** to **VCPL** within **2 business days** from the date of **Warrant Exercise Notice**, i.e., by **August 25, 2022**. The shares of **RRPR** so allotted to **VCPL** will be kept in escrow in accordance with the provisions of the **SAST Regulations. (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers Regulations 2011)**
 - ❖ Pursuant to the above, neither **AEL (Adani Enterprises Limited)** nor **AMNL (AMG Media Networks Limited)** will directly acquire any equity shares of **NDTV**. However, **VCPL** shall acquire equity shares of **NDTV** pursuant to the **Open Offer**, which will be completed in accordance with the provisions of the **SAST Regulations.**”



बी. अडानी समूह द्वारा एनडीटीवी का अधिग्रहण आसान नहीं होगा

एनडीटीवी का अधिग्रहण करने के लिए अडानी आगे बढ़ा।

1. जिस तरह से **अडानी ग्रुप** ने **एनडीटीवी न्यूज ग्रुप** को कब्जे में लेने की योजना बनायी थी, उसके लिए राह आसान नहीं लग रही है। घटनाओं की एक श्रृंखला **23.08.2022** को सामने आयी।
 - ❖ **एएमजी मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड**, मीडिया समूह के अधिग्रहण के लिए **अडानी** समूह की कंपनी, ने **नेक्स्टवेव टेलीवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड** और **एमिनेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड** से **विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीएसपीएल)** में **100%** इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। ये दोनों **113.74 करोड़ रुपये** के उद्यमी वैल्यू के साथ **महेंद्र नाहटा** से जुड़ी कंपनियां हैं।
 - ❖ **नाहटा समूह** बदले में **रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट एंड होल्डिंग लिमिटेड** से जुड़ी **रिलायंस ग्रुप कंपनी शिनानो रिटेल प्राइवेट लिमिटेड** से **वीसीपीएल** में हिस्सेदारी रखता है।
 - ❖ एक अन्य प्रकटीकरण में, **अडानी समूह** ने कहा कि ‘**वॉरंट की शर्तों के अनुसार 19,90,000 वॉरंटों का प्रयोग करने पर आरआरपीआर (एनडीटीवी समूह का प्रमोटर), वॉरंट एक्सरसाइज नोटिस की तारीख यानी 25 अगस्त 2022 तक 2 व्यवसायिक दिनों के भीतर वीसीपीएल को आरआरपीआर के 19,90,000 इक्विटी शेयर आवंटित करने को बाध्य है। वीसीपीएल को आवंटित आरआरपीआर के शेयरों को एसएसटी विनियमों के प्रावधानों के अनुसार एस्करो में रखा जायेगा (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण विनियम 2011)**
 - ❖ उपरोक्त के अनुसार न तो **ईईएल (अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड)** और न ही **एएमएनएल (एएमजी मीडिया नेटवर्क लिमिटेड)** सीधे **एनडीटीवी** के किसी भी इक्विटी शेयर का अधिग्रहण करेंगे। हालांकि **वीसीपीएल ऑपन ऑफर** के अनुसार **एनडीटीवी** के इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण करेगा, जिसे **एसएसटी विनियमों** के प्रावधानों के अनुसार पूरा किया जायेगा।

❖ In response to this notice, **NDTV Television Limited** stated to the stock exchanges that:

- ◆ *Without any discussion with New Delhi Television Limited (NDTV) or its founder-promoters, a notice has been served upon them by Vishvapradhan Commercial Private Limited (VCPL), stating that it (VCPL) has exercised its rights to acquire 99.50% control of RRPR Holding Private Limited (RRPRH), the promoter-owned Company that owns 29.18% of NDTV.*
- ◆ *The NDTV founders and the Company would like to make it clear that this exercise of rights by VCPL was executed without any input from, conversation with, or consent of the NDTV founders, who, like NDTV, have been made aware of this exercise of rights only today. RRPRH, which owns 29.18% of NDTV, has been told to transfer within two days all its equity shares to VCPL.*



Background To VCPL

2. The background to this issue goes back nearly two decades. In 2007 the Promoters, **Dr Prannoy Roy** and his wife, **Mrs Radhika Roy**, had to buy out the stake of **General Atlantic**, which then owned 7%+ of NDTV and then had to make an open offer for another 20% at **Rs. 439** per share. The money was taken from **ICICI Bank** and had to be paid back. Both promoters owned about 32% of NDTV. They also owned a company together named **RRPR Holdings (RRPRH)**. This Company took the loans to buy the stake in 2007, and in 2009, ICICI wanted its money back. To repay **ICICI Bank**, another loan was required because of poor market conditions. This was surprising given by **Reliance Group**, which owned a company named **Vishvapradhan Commercial Private Limited**, which then provided an **Rs. 350 crore** loan to **RRPR Holdings**. The loan agreement was for ten years and was interest-free, allowing **VCPL** to convert the warrants of **RRPR Holdings** almost entirely. This unique deal came to notice in

❖ इस नोटिस के जवाब में **एनडीटीवी लिमिटेड** ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि:

- ◆ **नयी दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी)** या इसके संस्थापक-प्रवर्तकों के साथ किसी भी चर्चा के बिना, **विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल)** द्वारा उन्हें एक नोटिस दिया गया है जिसमें कहा गया है कि इसने **(वीसीपीएल)** ने **99.50%** नियंत्रण हासिल करने के लिए अपने अधिकारों का प्रयोग किया है। **आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड (आरआरपीआरएच)** प्रमोटर के स्वामित्व वाली कंपनी है जो **एनडीटीवी** का **28.18%** का मालिक है।
- ◆ **एनडीटीवी के संस्थापक और कंपनी** यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि **वीसीपीएल** द्वारा अधिकारों के इस प्रयोग को **एनडीटीवी के संस्थापकों** से किसी इनपुट, बातचीत या सहमति के बिना निष्पादित किया गया था, जिन्हें **एनडीटीवी** की तरह आज ही अधिकारों के इस प्रयोग से अवगत कराया गया है। जिन्हें **एनडीटीवी** की तरह आज ही अधिकारों के इस प्रयोग से अवगत कराया गया है। **आरआरपीआरएच**, जिसके पास **एनडीटीवी** का **29.18%** हिस्सा है, को दो दिनों के भीतर अपने सभी इक्विटी शेयरों को **वीसीपीएल** को हस्तांतरित करने के लिए कहा गया है।

वीसीपीएल की पृष्ठभूमि

2. इस मुद्दे की पृष्ठभूमि लगभग दो दशक पुरानी है। **2007** में, प्रमोटर, **डॉ प्रणय रॉय** और उनकी पत्नी **श्रीमती राधिका रॉय** को **जनरल अटलांटिक** की हिस्सेदारी खरीदनी पड़ी, जिसके पास एनडीटीवी की **7% से अधिक** की स्वामित्व थी और फिर उसे **439 रुपये** प्रति शेयर पर **20%** के लिए एक और खुली पेशकश करनी पड़ी। पैसा **आईसीआईसीआई बैंक** से लिया गया था और फिर उसे वापस भुगतान भी करना पड़ा। दोनों प्रमोटरों के पास **आईसीआईसीआई** का लगभग **32%** स्वामित्व था। उनके पास **आरआरपीआर होल्डिंग (आरआरपीआरएच)** नाम की एक कंपनी भी थी। इस कंपनी ने **2007** में हिस्सेदारी खरीदने के लिए कार्ज लिया था और **2009** में **आईसीआईसीआई** अपना पैसा वापस चाहता था। **आईसीआईसीआई बैंक** के कर्ज को चुकाने के लिए एक अन्य ऋण की आवश्यकता थी। आश्चर्यजनक रूप से यह **रिलायंस ग्रुप** द्वारा दिया गया था जिनके पास **विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड** नाम की एक कंपनी थी, जिसने तब **आरआरपीआर होल्डिंग्स** को **350 करोड़** रुपये का ऋण प्रदान किया था। ऋण समझौता **10 वर्ष** के लिए था और ब्याज मुक्त था

a SEBI investigation in 2018. Key findings of SEBI were:

- ❖ The term of the loan ends in **July 2019**.
- ❖ The loan is unsecured and without interest.
- ❖ **RRPRH** will issue a convertible warrant to VCPL convertible into equity shares aggregating to **99.99%** of the fully diluted capital of **RRPRH** at the time of conversion convertible *at any time* during or after the loan.
- ❖ **VCPL** shall have the right to purchase all the equity shares of **RRPRH** at par value from the promoters.
- ❖ **VCPL** and its affiliates cannot purchase shares of **NDTV**, which will increase their holding by more than **26%** *without the consent of the promoters*.

One view is that the **NDTV Promoters** had *already sold their holding in RRPLH* in exchange for the “loan” and have no rights after that on the 29% from then on. **VCPL**, in turn, got sold to the two **Nahata Group** entities, thus effectively removing the **Reliance** ownership of **VCPL**, which was acquired by **Adani Group**.

Subsequent Developments

3. Subsequent developments show that **NDTV Promoters** have not yet given up trying to **retain their management control because even against the 29% of Adani Group** (as and when the warrants are transferred), they still hold an additional 32%.
4. On **25.08.2022**, **NDTV Promoters** drew the Regulator’s attention to the fact that they are currently banned by **SEBI** from dealing in shares indirectly or directly till **26.11.2022**, given the penal action taken by the Regulator and could not comply with the **Adani** notice to transfer the **RRPLH** shares in two days. The filing before the Regulator states that **RRPRH** has instructed its bankers to return the sum of **Rs.1,99,00,000** deposited by **VCPL** on **August 23, 2022**, into its bank account.
5. **Adani Group** quickly responded that **RRPRH** is not a party to the SEBI Order dated **27.11.2020** and is under no restraint by **SEBI**. Hence, they have to perform their obligation and allot the shares in terms of warrant exercise notice. **NDTV**

जिससे **वीसीपीएल** को **आरआरपीआर होल्डिंग्स** के वारंट को लगभग पूरी से परिवर्तित करने की अनुमति मिली। **2018** में **सेबी** की एक जांच में यह अनोखा सौदा सामने आया। **सेबी** के प्रमुख निष्कर्ष थे:

- ❖ ऋण की अवधि **जुलाई 2019** में समाप्त होती है।
- ❖ ऋण असुरक्षित और ब्याज रहित है।
- ❖ **आरआरपीआरएच** वीसीपीएल को इक्विटी शेयरों में परिवर्तनीय वारंट जारी करेगा, जो ऋण के दौरान या बाद में *किसी भी समय* परिवर्तनीय रूपांतर के समय **आरआरपीआरएल** की पूरी तरह से डायल्यूट पूंजी का कुल **99.9%** होगा।
- ❖ **वीसीपीएल** को प्रमोटरों से सममूल्य पर **आरआरपीआरएच** के सभी इक्विटी शेयर खरीदने का अधिकार होगा।
- ❖ **वीसीपीएल** और उसके सहयोगी **एनडीटीवी** के शेयर नहीं खरीद सकते हैं, *जिससे प्रमोटरों की सहमति के बिना* उनकी हिस्सेदारी **26%** से अधिक बढ़ जायेगी।

एक विचार यह है कि **एनडीटीवी के प्रमोटरों** ने पहले ही ऋण के बदले **आरआरपीआरएल** में अपनी *हिस्सेदारी* बेच दी थी और उसके बाद से **29%** पर कोई अधिकार नहीं है। **वीसीपीएल**, बदले में, दो **नाहटा समूह** संस्थाओं को बेच दिया गया, इस प्रकार **वीसीपीएल** के **रिलायंस** स्वामित्व को प्रभावी ढंग से हटा दिया गया, जिसे **अदानी गुप** द्वारा अधिग्रहित किया गया था।

बाद के घटनाक्रम

3. बाद के घटनाक्रम से पता चलता है कि **एनडीटीवी प्रमोटरों** ने अभी तक अपने प्रबंधन नियंत्रण को बनाये रखने की कोशिश नहीं छोड़ी है, क्योंकि **अदानी समूह** के **29%** (जब भी वारंट स्थानांतरित होते हैं) के मुकाबले उनके पास अभी भी अतिरिक्त **32%** हिस्सेदारी है।
4. **25.08.2022** को, **एनडीटीवी प्रमोटरों** ने इस तथ्य की ओर नियामक का ध्यान आकर्षित किया कि वर्तमान में **सेबी** द्वारा परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से **26.11.2022** तक शेयरों के लेनदेन करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जो कि नियामक द्वारा किये गये दंडात्मक कार्रवाई को देखते हुए और दो दिनों में **आरआरपीआरएच** शेयरों को स्थानांतरित करने के लिए **अदानी नोटिस** का पालन नहीं कर सका। नियामक के समक्ष फाइलिंग में कहा गया है कि **आरआरपीआरएच** ने अपने बैंकों को **23 अगस्त 2022** को **वीसीपीएल** द्वारा जमा किये गये **1,99,00,000 रुपये** की राशि उसके बैंक खाते में वापस करने का निर्देश दिया है।
5. **अदानी समूह** ने तुरंत जवाब दिया कि **आरआरपीआरएच सेबी** के आदेश दिनांक **27.11.2020** का पक्षकार नहीं है और **सेबी** द्वारा कोई रोक-टोक नहीं है। इसलिए उन्हें अपने दायित्व का पालन करना होगा और वारंट अभ्यास नोटिस के

Promoters subsequently have written to **SEBI** for clarification. **Adani Group** has also written to **SEBI** for clarification. **NDTV Promoters** can go to court to delay the transfer. Still, as per corporate legal experts, they may not be on a solid footing for refusing to allot the shares in the peculiar circumstances of the case.

6. Meanwhile, the **NDTV** stock was trading at **495.05** on **September 1, 2022**, much higher than the **SEBI** regulated figure computed at **Rs. 294**. Notwithstanding this fact, **J.M. Financial**, managing the Open Offer, stated on **30.08.2022** that the offer would open on **17.10.2022** and close on **01.11.2022** for acquiring **1.67 crore** equity shares.
7. Perhaps **Adani group** is banking on the **FII**s holding shares in **NDTV** participating in the Open Offer. The latest shareholding of **NDTV** on the Stock Exchange website makes for interesting reading. The Promoters claim to hold **61 per cent**. **Foreign Portfolio** holding is shown at **14.70 per cent**. Interestingly enough, among the key non-promoter shareholders of **NDTV** is **LTS Investments Mauritius**, an FII with a **09.75 %** stake in **NDTV**. As per social media reports, it has a stake in **13 stocks** worth **Rs 19238 crores** as of **June 2022**, of which **98%** are stated to be in **Adani Stocks!** There is another fund **Vikasa India EIF I Fund Mauritius**, which owns another **4.42%** stake in **NDTV**. This FII, too, is stated to be linked to **Adani Group**. Some other non-promoter holdings are by **Drolia Agencies** which owns a **1.48 per cent** stake; **GRD Securities** owns **2.8 per cent**; **Adesh Broking** owns **1.5 per cent** and **Confirm Rebuild** **1.33 per cent**.

COMMENT

In the current highly polarised environment, extreme views have been expressed on the Adani Group's attempt to take over NDTV. Some foreign entities have gone into hyperbole -Bloomberg, for instance, claimed that the "Broadcaster is seen as one of the few relatively critical local news outlets of the Modi government. Some Indian politicians, journalists and rights groups have voiced alarm over the tycoon's attempted takeover, given his close relationship with Prime Minister Mr Narendra Modi. Mr Jairam Ramesh, a lawmaker with the main

अनुसार शेयरों का आवंटन करना होगा। **एनडीटीवी प्रमोटरों** ने वाद में स्पष्टीकरण के लिए सेबी को भी लिखा है। **अदानी ग्रुप** ने भी स्पष्टीकरण के लिए **सेबी** को लिखा है। ट्रांसफर में देरी के लिए **एनडीटीवी** के प्रमोटर कोर्ट जा सकते हैं। फिर भी, कॉर्पोरेट कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार वे मामले की अजीबोगरीब परिस्थितियों में शेयरों को आवंटित करने से इंकार करने के लिए कोई ठोस आधार नहीं हो सकता है।

6. इस बीच **एनडीटीवी** का स्टॉक **1 सितंबर 2022** को **495.05 रुपये** पर कारोबार कर रहा था, जो सेबी द्वारा **294 रुपये** की गणना के विनियमित आंकड़े से **काफी अधिक** था। इस तथ्य के बावजूद ओपन ऑफर का प्रबंधन करने वाले जेएम फाइनेंशियल ने **30.08.2022** को कहा कि प्रस्ताव **1.67 करोड़** इक्विटी शेयर प्राप्त करने के लिए **17.10.2022** को खुलेगा और **01.11.2022** को बंद हो जायेगा।
7. शायद, **अदानी समूह** ओपन शेयर में **भाग लेने वाले एनडीटीवी** में **एफआईआई** के शेयरों पर बैंकिंग कर रहा है। स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट पर **एनडीटीवी** की नवीनतम शेयरधारित पढ़ने के लिए दिलचस्प बनाती है। प्रमोटरों ने **61 फीसदी विदेशी पोर्ट फोलियो** होल्डिंग को **14.70 प्रतिशत** पर दिखाई गयी है। दिलचस्प बात यह है कि **एनडीटीवी** के प्रमुख गैर-प्रवर्तक शेयरधारकों में **एलटीएस इन्वेस्टमेंट्स** मॉरीशस, **एनडीटीवी** में **09.75%** हिस्सेदारी के साथ एक एफआईआई है। सोशल मीडिया रिपोर्ट के अनुसार **जून 2022** तक **19238 करोड़ रुपये** के **13 शेयरों** में इसकी हिस्सेदारी है जिसमें **98%** **अदानी स्टॉक्स** में बताये गये हैं! एक और फंड **विकास इंडिया ईआईएफ आई फंड मॉरीशस** है, जो **एनडीटीवी** में एक और **4.42%** हिस्सेदारी का मालिक है। यह **एफआईआई** भी **अदानी समूह** से जुड़ा हुआ है। कुछ अन्य गैर प्रमोटर होल्डिंग्स **ड्रोलिया एजेंसियों** द्वारा है जिनके पास **1.48 प्रतिशत** हिस्सेदारी है। **जीआरडी सिक्वोरिटीज** की **2.8 फीसदी**, आदेश ब्रोकिंग की **1.5 फीसदी** और **कन्फर्म रीबिल्ड** की **1.33 फीसदी** की हिस्सेदारी है।

टिप्पणी

मौजूदा में अत्यधिक धुवीकरण वातावरण में अदानी समूह के एनडीटीवी संभालने के प्रयास पर अत्यधिक विचार व्यक्त किये गये। उदाहरण के लिए कुछ विदेशी संस्थाएँ अतिशयोक्ति में चली गयीं-ब्लूमबर्ग ने दावा किया है कि 'प्रसारक को मोदी सरकार के कुछ अपेक्षाकृत महत्वपूर्ण स्थानीय समाचार आउटलेट्स में से एक के रूप में देखा जाता है। कुछ भारतीय राजनेताओं, पत्रकारों और अधिकारों समूह ने प्रधान मंत्री के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए टाइकून के प्रयास पर अलार्म बजा दिया है। मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी एक विधायक श्री जयराम रमेश ने भारत की स्वतंत्र प्रेस

opposition Congress Party, called the hostile bid “a brazen move” to stifle India’s free press.”

The Right-Wing social media scoffs at such allegations. Op India states with equal vehemence, “Not just Washington Post, many other international media organisations also peddled similar claims, trying to paint the Adani bid as an evil political-corporate plan to attack the ‘so-called’ independent media. The fact that NDTV has long been a serial fake news peddler, agenda-driven, Leftist media house, was conveniently forgotten.”

This writer has seen NDTV grow from its very first programmes and finds it taking an independent stance once in a while with its Digital content more compelling. There has been little focus on why the Adani Group wants a strong foothold in the vibrant broadcast and digital news content scenario. It must be galling to Mr Gautam Adani that despite being in the top three wealthiest families on earth, news coverage of the Adani group veers from disparaging comments to inattention. Owing a vibrant news organisation like NDTV would help the Adani Groups’ business activities and give it a powerful voice, especially as the 2022 Gujarat State Elections and the 2024 General Elections come nearer.

को दवाने के लिए शत्रुतापूर्ण बोली को ‘एक निर्लज्ज कदम’ कहा है।

दक्षिणपंथी सोशल मीडिया इस तरह के आरोपों का उपहास करता है। ऑप इंडिया समान उत्साह के साथ कहता है कि ‘केवल वाशिंगटन पोस्ट ही नहीं, कई अन्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठनों ने भी इस तरह के दावों को हवा दी है, अडानी बोली को ‘तथाकथित स्वतंत्र मीडिया पर हमला करने के लिए एक दृष्ट राजनीतिक कॉरपोरेट योजना के रूप में चित्रित करने की पेशकश की। तथ्य यह है कि एनडीटीवी लंबे समय से एक सीरियल फेक न्यूज पेडलर, एजेंडा संचालित, वामपंथी मीडिया हाउस आसानी से भूला दिया गया था।’

इस लेखक ने एनडीटीवी को अपने पहले कार्यक्रमों से ही आगे बढ़ते हुए देखा है और अपने डिजिटल कंटेंट के साथ इसे एक स्वतंत्र रूप अपनाते हुए पाया है। इस बात पर बहुत कम ध्यान दिया गया है कि अडानी समूह लाइव प्रसारण और डिजिटल समाचार सामग्री परिदृश्य में एक मजबूत पैर क्यों जमाना चाहता है। श्री गौतम अडानी के लिए यह बहुत ही दुःखद होगा कि दुनिया के तीन सबसे धनी शीर्ष परिवारों में होने के बावजूद, अडानी समूह के समाचार कवरेज में अपमानजनक टिप्पणियों से लेकर असावधानी तक शामिल हैं। एनडीटीवी जैसे जीवंत समाचार संगठन के मालिक होने से अडानी समूह की व्यवसायिक गतिविधियों में मदद मिलेगी और इसे एक शक्तिशाली आवाज दी जायेगी, विशेष रूप से 2022 के गुजरात राज्य चुनाव और 2024 के आम चुनाव के निकट आते हैं।

C. ZEE/SONY MERGER FACES A STEEPLE CHASE

1. A **Reuters** Report on **August 31, 2022**, brought a new and vexing holdup in the much-awaited **Zee/Sony (Culver Pictures)** merger. The report quoted an **August 3, 2022**, order of the **Competition Commission of India** directing further investigation/examination of the terms of the **Zee/Sony (Culver Pictures)** by the **Director General** as stating that a merger between the two parties to create a **\$10 billion** T.V. enterprise will potentially hurt competition by having “*unparalleled bargaining power*”, according to the notice dated **August 3, 2022**.
2. In its **21-page** notice, the **CCI** said its initial review shows the proposed deal would place the combined entity in a “*strong position*” with around **92** channels in India, also citing Sony’s global revenue

सी. जी/सोनी विलय को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है

1. **31 अगस्त 2022** को **रॉयटर्स** की एक रिपोर्ट, बहुप्रतीक्षित **जी/सोनी (कलवर पिक्चर्स)** विलय में एक नया और कष्टप्रद पकड़ लेकर आयी। रिपोर्ट में **3 अगस्त 2022** का हवाला दिया गया है जिसमें **भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग** ने **महानिदेशक** द्वारा **जी/सोनी (कलवर पिक्चर्स)** की शर्तों की आगे की जांच/परीक्षा का निर्देश दिया है, **3 अगस्त 2022** के नोटिस के अनुसार दोनों पक्षों के विलय से **10 अरब डॉलर** का टीवी उद्यम बनाने के लिए ‘अद्वितीय सौदेबाजी की शक्ति’ होने से संभावित रूप से प्रतिस्पर्धा को नुकसान होगा।
2. अपनी **21 पृष्ठ** की नोटिस में, **सीसीआई** ने कहा कि इसकी प्रारंभिक समीक्षा से पता चलता है कि प्रस्तावित सौदा भारत में लगभग **92** चैनलों के साथ सोनी के **86 अरब डॉलर** के वैश्विक राजस्व और **211 अरब डॉलर** की संपत्ति का हवाला

of \$86 billion and assets of \$211 billion. “Such apparently humongous market position would enable the combined entity to enjoy an unparalleled bargaining power,” the CCI said in its notice, adding the combined entity could increase the price of channel packages.

- In effect, the CCI did not agree with the summary filed by the parties under Regulation 13 (1A) of the Competition Commission of India notification dated 29.04.2022 that “In line with the Hon’ble Commission’s decisional practice, the Parties respectfully submit that the relevant product and geographic markets may be left open. Irrespective of the market definition, the Proposed Transaction will not cause any appreciable adverse effect on competition in India. The basis on this, the Parties submit that the market definition should be left open.”
- Only last month Zee announced that the proposed merger of Zee Entertainment Enterprises (Zee) and Culver Max Entertainment (formerly Sony Pictures Networks India) has been approved by the Bombay Stock Exchange and National Stock Exchange. The MD of Zee, Mr Punit Goenka, hailed the approval as it “marks a firm and positive step in the overall merger process.”



COMMENT

Once the news story broke in Indian media on 31.08.2022 of the CCI direction, there was some concern expressed by media analysts that this could lead to protracted delays in the merger plans. The press quoted those familiar with the merger plans to say that the CCI’s findings will “delay regulatory approval of the deal and could force the companies to propose changes to its structure, three Indian lawyers familiar with the process said. They added that if that still fails to satisfy the CCI, it could lead to a lengthy approval and investigation process”.

While Sony typically does not comment, Zee was quoted as stating it continues to take “all the required

deals” and said it would continue to work with the CCI. “The CCI’s decision is a landmark one as it is the first time the Commission has allowed a merger to proceed without any conditions,” said a senior industry official. “This is a positive step for the industry and a clear signal that the CCI is open to a more flexible approach to mergers.”

- वास्तव में, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की अधिसूचना दिनांक 29.04.2022 के विनियम 13 (1ए) के तहत पार्टियों द्वारा दायर किये गये सारांश से सीसीआई सहमत नहीं था कि ‘माननीय आयोग के निर्णयात्मक अभ्यास के अनुरूप, पार्टियों सम्मानपूर्वक यह प्रस्तुत करती हैं कि प्रासंगिक उत्पाद और भौगोलिक बाजारों को खुला छोड़ा जा सकता है। बाजार की परिभाषा के बावजूद, प्रस्तावित लेनदेन से भारत में प्रतिस्पर्धा पर कोई, उल्लेखनीय प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस आधार पर पार्टियां प्रस्तुत करती हैं कि बाजार की परिभाषा को खुला छोड़ दिया जाना चाहिए।
- पिछले महीने ही जी ने घोषणा की कि जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज (जी) और कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट (पूर्व में सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया) के प्रस्तावित विलय को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा अनुमोदित किया गया है। जी के एमडी पुनीत गोयनका ने अनुमोदन की सराहना की क्योंकि यह ‘समग्र विलय प्रक्रिया में एक दृढ़ और सकारात्मक कदम है।’

टिप्पणी

एक बार सीसीआई के निर्देश के 31.08.2022 को भारतीय मीडिया खबरों के टूटने के बाद, मीडिया विश्लेषकों द्वारा कुछ चिंता व्यक्त की गयी थी कि इससे विलय की योजनाओं में लंबी देरी हो सकती है। प्रेस ने विलय की योजना से परिचित लोगों के हवाले से कहा कि सीसीआई के निष्कर्ष ‘सौदे के नियामक अनुमोदन में देरी करेंगे और कंपनियों को इसके संरचना में बदलाव का प्रस्ताव देने के लिए मजबूर कर सकते हैं, यह बात इस प्रक्रिया से परिचित तीन भारतीय वकीलों ने बतायी। उन्होंने कहा कि अगर वह अभी भी सीसीआई को संतुष्ट करने में विफल रहता है तो इससे लंबी स्वीकृति और जांच प्रक्रिया हो सकती है।

हालांकि सोनी आमतौर पर कोई टिप्पणी नहीं करता है, जी को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि वह प्रस्तावित विलय के लिए

legal steps” to complete all the necessary approval processes for the proposed merger.

The fact that the holdup in the merger approval process came within just a couple of days of approval by the Stock Exchanges, which is usually approved by SEBI, shows that there are unexpected holdups which can overturn merger plans. Perhaps the Ministry of Corporate Affairs needs to streamline the M&A processes a little more. This writer does expect the merger to fully go through by mid-2023.

D. UNIQUE SUB LICENSING OF ICC CRICKET RIGHTS WIN-WIN FOR BOTH STAR DISNEY/ZEE

1. The IPL auctions recently went for a whopping **Rs. 48390 crores**, with T.V. broadcasting rights retained by **Disney Star**. However, the Digital content rights were bagged by **Reliance Viacom**.
2. International Cricket Committee recently concluded an auction for India rights on **August 27, 2022**, for the next four years of World Cricket Events to be held by **International Cricket Committee**. These include **World Cup, T20 World Cup**, and the **Champions Trophy**, apart from **Women's** tournaments.
3. There were four serious bidders, and **Disney Hotstar** won the bid. As per media reports, **Disney Hotstar** offered **\$3 billion**, against the benchmark price of **\$1.44 billion** set by ICC for the composite right of T.V. and Digital Rights for four years. The three other bidders were **Viacom/Sony and Zee**.
4. In a surprise development, **Disney Star** and **Zee** announced a sub-licensing deal on **31.08.2022** whereby the T.V. rights have been given to **Zee**. At the same time, **Disney Hotstar** will retain digital rights. This has been done apparently with the



सभी आवश्यक अनुमोदन प्रक्रियाओं को पूर करने के लिए 'सभी आवश्यक कानूनी कदम' उठाना जारी रखे हुए है।

तथ्य यह है कि विलय अनुमोदन प्रक्रिया में होल्डअप स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा अनुमोदन के कुछ दिनों के भीतर आया, जिसे आमतौर पर सेबी द्वारा अनुमोदित किया जाता है, यह दर्शाता है कि अप्रत्याशित होल्डअप हैं जो विलय योजनाओं को उलट सकते हैं। शायद कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय को एम एंड ए प्रक्रियाओं को थोड़ा और सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। यह लेखक उम्मीद करता है कि विलय पूरी तरह से 2023 के मध्य तक पूरा हो जायेगा।

डी. स्टार डिज्नी/जी दोनों के लिए विजय की तरह होगी आईसीसी क्रिकेट राइट्स का अनोखा सब-लाइसेंसिंग

1. हालही में **आईपीएल** की नीलामी **48390 करोड़** रुपये में हुई थी जिसमें **डिज्नी स्टार** द्वारा टीवी प्रसारण अधिकार को बरकरार रखा गया था। **हालांकि** डिजिटल सामग्री अधिकार **रिलायंस वायकॉम** द्वारा प्राप्त किये गये थे।
2. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति ने हाल ही में **अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति** द्वारा आयोजित होने वाले विश्व क्रिकेट आयोजनों के अगले चार वर्षों के लिए भारत के अधिकारों के लिए नीलामी प्रक्रिया **27 अगस्त 2022** को संपन्न की। इसमें **महिला टूर्नामेंट** के अलावा **विश्वकप** और **चैंपियंस ट्रॉफी** शामिल हैं।
3. चार गंभीर बोलीदाता थे, और डिज्नी हॉटस्टार ने बोली जाती। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार **डिज्नी हॉटस्टार** ने चार साल के लिए टीवी और डिजिटल राइट्स के संयुक्त अधिकार के लिए **आईसीसी** द्वारा निर्धारित **1.44 बिलियन डॉलर** के बेंचमार्क मूल्य के मुकाबले **3 बिलियन डॉलर** की पेशकश की। अन्य तीन बोलीदाता **वायकॉम/सोनी** और **जी** थे।
4. आश्चर्यजनक रूप से **डिज्नी स्टार** और **जी** ने **31.08.2022** को एक उप लाइसेंसिंग सौदे की घोषणा की, जिसके तहत **जी** को टीवी अधिकार दिये गये हैं। वहीं, **डिज्नी हॉटस्टार** के पास डिजिटल अधिकार बरकरार रहेंगे। यह जाहिर तौर पर आईसीसी के मंजूरी के साथ किया गया है। जी के एमडी पुनीत गोयनका के

approval of ICC. In an exuberant statement by the Zee MD Mr Punit Goenka, it was claimed: *This is a first-of-its-kind partnership in the Indian media and entertainment landscape, and this association with Disney Star reflects our sharp, strategic vision for the sports business in India.*” said Mr Punit Goenka, managing director of Zee, in the statement. *“As a one-stop television destination for ICC men’s cricket events until 2027, Zee will leverage the strength of its network to offer a compelling experience for its viewers and a great return on investment for its advertisers.”* No strategy. It serves the interests of Disney Hotstar and Zee very well. Financial details have been announced. Media reports estimate that Zee will have to pay about **40 per cent** of the agreed figure to **Star Disney**, which will deliver the agreed amount of **\$ 3 billion** to ICC. These matches will also be available on the **Doordarshan Terrestrial** network.

COMMENT

This writer’s initial thought is that the sub-licensing is a win-win strategy and serves the interests of Disney and Zee very well. When 5 G and fast-changing viewer demands disrupt the legacy media environment, such a unique collaboration is truly a brilliant move.

Zee’s channel portfolio has lacked sports content which proved to be lockdown-proof and continues to draw many advertisers. This content will also help Zee to drive more profitable distribution deals with the tough-to-please cable distribution industry. Once the merger with Sony goes through in 2023, the sub-licensing agreement will be a feather in the cap of its M.D. Mr Punit Goenka. ■

एक शानदार बयान में, यह दावा किया था कि ‘यह भारतीय मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य में अपनी तरह की पहली साझेदारी है और **डिज्नी-स्टार** के साथ यह जुड़ाव भारत में खेल व्यवसाय के लिए हमारी तेज रणनीतिक दृष्टि को दर्शाता है। यह बात **जी** के प्रबंध निदेशक पुनीत गोयनका ने बताया। ‘**2027** तक आई सीसी पुरुष क्रिकेट आयोजनों के लिए वन स्टॉप टेलीविजन गंतव्य के रूप में जी अपने दर्शकों के लिए एक सम्मोहक अनुभव और अपने विज्ञापनदाताओं के लिए निवेश पर शानदार रिटर्न प्रदान करने के लिए अपने नेटवर्क की ताकत का लाभ उठायेगा।’ कोई रणनीति नहीं। यह डिज्नी/हॉटस्टार और जी के हितों का बहुत अच्छी तरह से सेवा करता है। वित्तीय विवरण की घोषणा की गयी है। मीडिया रिपोर्ट्स का अनुमान है कि **जी** को **स्टार डिज्नी** के सहमत आंकड़े का लगभग **40** प्रतिशत का भुगतान करना होगा, जो **आईसीसी** को **3** बिलियन डॉलर की सहमत राशि वितरित करेगा। ये मैच **दूरदर्शन के टेरिस्ट्रियल** नेटवर्क पर भी उपलब्ध होंगे।

टिप्पणी

इस लेखक का प्रारंभिक विचार यह है कि उप-लाइसेंसिंग सभी के लिए सफलता की रणनीति है और जी और डिज्नी के हितों की बहुत अच्छी तरह से सेवा करता है। जब **5जी** और तेजी से बदलते दर्शकों की मांग है कि पारंपरिक मीडिया वातावरण को बाधित किया जाये, तो इस तरह का अनूठा सहयोग वास्तव में एक शानदार कदम है।

जी के चैनल पोर्टफोलियो में खेल सामग्री की कमी है जो लॉकडाउन पुफ सावित हुआ और कई विज्ञापनदाताओं को आकर्षित करता रहा। यह सामग्री जी को कठिन केवल वितरण व्यवसाय के साथ अधिक लाभदायक वितरण सौदों को चलाने में मदद करेगी। **2023** में सोनी के साथ विलय होने के बाद, उप-लाइसेंसिंग समझौता इसके एमडी पुनीत गोयनका की टोपी में पंख होगा। ■

INDIA’S MOST RESPECTED TRADE MAGAZINE FOR THE CABLE TV, BROADBAND, IPTV & SATELLITE INDUSTRY

**... You Know What You are doing
But Nobody Else Does**



MAGAZINE

ADVERTISE NOW!

Contact:

Mob.: +91-7021850198

Tel.: +91-22-6216 5313

Email: scat.sales@nm-india.com